तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 10.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, मंगलवार 3 मार्च 2026

11 1,200 से ज्यादा जगहों पर हुआ होलिका पूजन

12 4737 विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ मिलेगी निःशुल्क स्टेशनरी...

दुल्हेंडी पर कल दोपहर तक बंद रहेंगे आरक्षण काउंटर

■ सोनीपत, गन्नौर व गोहाना रेलवे स्टेशन पर नहीं मिलेंगे टिकट

सोनीपत। दुल्हेंडी पर्व पर बुधवार को रेलवे स्टेशनों पर दोपहर तक आरक्षण काउंटर बंद रहने से यात्रियों को टिकट नहीं मिल पाएगी। रेलवे ने बुधवार को सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक टिकट आरक्षण काउंटर बंद रखने के निर्देश दिए है। ऐसे में सोनीपत, गन्नौर व गोहाना स्टेशन पर सुबह की शिफ्ट में टिकट आरक्षण काउंटर बंद रखे जाएंगे। दोपहर 2 से रात 8 बजे तक शाम की शिफ्ट में काउंटर खुलने से यात्री अपनी यात्रा के लिए टिकट खरीद या आरक्षित करवा सकेंगे।होलिका दहन के साथ सोमवार को होली उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। इस साल मंगलवार 3 मार्च को चंद्रग्रहण के चलते बुधवार 4 मार्च को फाग उत्सव मनाया जाएगा। बुधवार को फाग उत्सव के दिन सुबह यदि यात्री रेलवे आरक्षण काउंटर पर टिकट लेने के लिए जाएंगे, तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जिले के सोनीपत, गन्नौर व गोहाना स्टेशन स्थित आरक्षण केंद्रों पर आधे दिन के लिए आरक्षण काउंटर बंद रहेंगे।

सुरेंद्र ने ऑल इंडिया सिविल सर्विस रेसलिंग में जीता रजत पदक

खरखौदा। सिसाना के रहने वाले पहलवान सुरेंद्र पुत्र टीकाराम ने ऑल इंडिया सिविल सर्विस रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता है। उसने कुश्ती की फ्री स्टाइल शैली के 79 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक पर कब्जा जमाया है। उक्त चैंपियनशिप 26 से 28 फरवरी तक हिमाचल प्रदेश के मंडी में आयोजित की गई थी। उपविजेता पहलवान सुरेन्द्र ने बताया कि वह प्रताप स्कूल का छात्र रहा है और उसने स्कूल के खेल निदेशक एवं द्रोणाचार्य अवॉर्डी ओमप्रकाश दहिया कोच से कुश्ती के दांव पेंच सीखे हैं। उसने पिछले वर्ष पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विस रेसलिंग ग्रीको रोमन के 82 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इतना ही नहीं वर्ष 2015 से 2018 तक लगातार जूनियर वर्ग की राष्ट्र स्तरीय स्पर्धा में भागीदारी की है।

मांगों को लेकर कर्मियों ने मशाल जुलूस निकाला

सोनीपत। एचएसईबी वर्कर यूनियन के बैनर तले बिजली कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर रोष मार्च निकाला। यूनियन के आह्वान पर सोमवार शाम कर्मचारी सेक्टर-14 स्थित मॉडल टाउन सब डिवीजन कार्यालय में एकत्रित हुए। उन्होंने गांधी चौक तक मशाल जुलूस निकाल सरकार की नीतियों के खिलाफ काली होली मनाकर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन का नेतृत्व सर्कल सचिव सुमित कटारिया, मुकेश शर्मा ने किया। सिटी यूनिट प्रधान सतीश चहल व सब यूनिट प्रधान राजेश शर्मा ने कर्मचारियों के हितों से जुड़ी मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। समान काम-समान वेतन की नीति लागू की जाए। प्रदर्शन में सिटी यूनिट सचिव राजकुमार शर्मा, गोहाना यूनिट से प्रदीप नरवाल, हरीश राणा, उमेश मलिक, अनिल देशवाल, राकेश मौजूद रहे।

टेंपो की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटा घायल, एक की मौत

सोनीपत। देवडू मोड़ के पास एनएच-352ए पर टैंपो की टक्कर लगने से बाइक सवार मां-बेटा घायल हो गए। दोनों को राहगीरों की मदद से निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बेटे की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। रोहतक के गांव खेड़ी सांपला निवासी नरोत्तम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रविवार शाम को अपनी मां दर्शना के साथ बाइक पर सवार होकर मुरथल स्थित बावरिया धाम में पूजा-अर्चना करने गए थे। वापस लौटते समय जब वह राष्ट्रीय राजमार्ग-352 ए पर देवडू मोड़ के पास पहुंचे, तो गलत दिशा से आ रहे एक टैंपो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह और उनकी मां दोनों घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां देर रात उनकी मां की उपचार के दौरान मौत हो गई।

मुख्यमंत्री आज गोशालाओं को सहायता राशि वितरित करेंगे

सोनीपत। तैयारियों को जायजा लेते प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली व अन्य।

■ भटगांव स्थित धर्मार्थ गोशाला में राज्यस्तरीय समारोह में पहुंचेंगे मुख्यमंत्री सैनी

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को राज्य की 602 गोशालाओं को सहायता राशि वितरित करेंगे। यह राज्यस्तरीय कार्यक्रम गांव भटगांव स्थित धर्मार्थ गौशाला में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित होकर गौशालाओं के प्रतिनिधियों को अनुदान राशि प्रदान करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली एवं उपायुक्त सुशील सारवान ने सोमवार को आयोजन स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, लोगों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा, पार्किंग, पेयजल, शौचालय तथा अन्य सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात प्रदेशाध्यक्ष सभी अधिकारियों के साथ बैठक सभी पहलुओं पर चर्चा की। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि यह कार्यक्रम गौशालाओं के सशक्तिकरण और बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा भी कार्यक्रम को लेकर सभी पदाधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। सभी अधिकारी व पार्टी पदाधिकारी इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल बनाने के लिए मिलकर कार्य करें। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार, डीएफओ रेनूबाला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय जन-जीवन में फागुन का आगमन केवल ऋतु-परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का सक्रिय समय होता है। इस चेतना को अपने अस्तित्व में संजोती, उसमें लोक व्यवहार और परंपराओं को पोसती स्त्री की सहभागिता, फागुन में नव-उमंग को संचारित करती है। इससे घर-परिवार और समाज में जीवंतता का इंद्रधनुषी रंग घुल-मिल जाता है।

फागुन की थाप में स्त्री की भूमिका

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

फागुन वह महीना है, जब प्रकृति में दिखाई देने वाले परिवर्तन, पेड़ों पर बौर, टेसू के फूलों की केसरिया आभा, हवा की गंध, मनुष्य की स्मृतियों और संबंधों को अलग तरह से प्रभावित करते हैं। ऋतु का यह बदलाव बाहरी दृश्य से अधिक आंतरिक अनुभव का विषय बन जाता है। विशेषतः स्त्री के जीवन में फागुन एक साथ स्मृति, अनुभव, सजगता और सहभागिता का समय लेकर आता है। उल्लास की डोर हौले से पकड़ा देता है।

स्पष्ट संकेतों के साथ फागुन का आगमन

प्रकृति के स्तर पर फागुन का आगमन स्पष्ट संकेतों के साथ होता है। हवा में महुए की गंध घुलने लगती है, टेसू के फूल, गेहूं, चने की पकी फसलें, खेतों और बागों को रंग देते हैं, धूप में हल्का सुनहरापन घुल जाता है। यह परिवर्तन केवल दृश्य नहीं, संवेदनात्मक भी होता है। गंध, रंग और ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण निर्मित करते हैं, जिसमें अतीत और वर्तमान का अंतर कम होने लगता है। ढोलक की थाप, फगुआ के गीत और गली-मोहल्लों की चहल-पहल सामूहिकता का आह्वान करती है। यह वह समय है, जब व्यक्ति अपने निजी जीवन से बाहर निकलकर समुदाय का हिस्सा बनता है। एक अपने से दृष्टि हटाकर कुनबे की तरफ देखता है।

सामाजिक भेद से दूर होली का उल्लास

होली के दिन सामाजिक भेद कुछ समय के लिए हल्के पड़ जाते हैं। यह भेद मिटाना केवल खेल के लिए नहीं, प्रतीकात्मक क्रिया होती है। यह बताने के लिए कि सामाजिक ऊंच-नीच, औपचारिकता और दूरी का स्थान उत्सव में सीमित है। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष, सभी एक साथ रंग में भीगते और गले मिलते हैं। ढोलक की थाप और फगुआ के गीत सामूहिक स्मृति को जीवित रखते हैं। लोकगीतों में पीढ़ियों का अनुभव, हास्य, व्यंग्य और जीवन-दृष्टि संचित रहती है। पारंपरिक समाज में वे प्रारंभ में चौखट के भीतर से देखती थीं, पर धीरे-धीरे सहभागिता का दायरा बढ़ता गया।

उम्र के हिसाब से बदल जाता है फागुन का अर्थ

जीवन-चक्र के विभिन्न चरणों में फागुन का अर्थ बदलता है। बचपन में यह केवल खेल और आनंद का समय होता है- पिचकारी, रंग और खुली हंसी। किशोरावस्था में रंगों का अनुभव अधिक संवेदनशील हो उठता है, सामाजिक और शारीरिक चेतना जागृत होती है। विवाह के बाद नए परिवेश में स्त्री को संबंधों की मर्यादाएं समझनी होती हैं, किसके साथ कितनी सहजता उचित है, कहां संयम आवश्यक है। इस प्रक्रिया में वह अपने लिए संतुलित स्थान तय करती है। धीरे-धीरे वह समझती है कि उत्सव में भागीदारी का अर्थ भीड़ में विलीन हो जाना नहीं, बल्कि अपनी गरिमा बनाए रखते हुए शामिल होना है।

रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ आज भी है प्रासंगिक

समकालीन संदर्भ में भी फागुन का महत्व बना हुआ है, यद्यपि स्वरूप में परिवर्तन आया है। शहरी जीवन में सामूहिकता का रूप सीमित हो सकता है, पर रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ अब भी प्रासंगिक है। सम्मान, सहमति और सहभागिता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। इस परिवर्तन में स्त्री की भूमिका अधिक स्पष्ट और मुखर हुई है। वह उत्सव की सहभागी ही नहीं, उसकी दिशा निर्धारित करने वाली भी है। अंततः फागुन एक ऐसा सांस्कृतिक क्षण है, जिसमें प्रकृति, समाज और व्यक्ति का अनुभव एक-दूसरे से जुड़ता है। यह स्मृति को सक्रिय करता है, संबंधों की परीक्षा लेता है और सामूहिकता की भावना को पुनर्स्थापित करता है। स्त्री के संदर्भ में फागुन का महीना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इसमें श्रम, संवेदना, सावधानी और उल्लास, सभी को संतुलित करती है।

केवल रंगों का पर्व नहीं फागुन

यदि उत्सव में आनंद और मर्यादा साथ चलें, तो फागुन केवल रंगों का पर्व नहीं, सामाजिक परिपक्वता का प्रतीक भी बन जाता है। इसी सांस्कृतिक संदर्भ में उत्तर प्रदेश के बरसाना की होली विशेष उल्लेखनीय है। यहां लट्ठमार होली की परंपरा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सामाजिक संवाद है। स्त्रियां लाठियां लेकर पुरुषों पर प्रहार करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उसे खेल भाव से स्वीकारते हैं। यह आयोजन लोकविश्वास से जुड़ा है, जिसमें राधा-कृष्ण की लीलाओं का स्मरण निहित है। यहां स्त्री केवल दर्शक नहीं, सक्रिय केंद्र में होती है। उसकी उपस्थिति उत्सव की धुरी बनती है और प्रतिरोध भी विनोद के भीतर रूपायित होता है। श्रीकृष्ण के रंग-अनुराग का प्रसंग होली के पर्व को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विस्तार देता है। श्रीकृष्ण द्वारा गोपियों पर रंग डालने की कथा केवल राग-रंग का प्रसंग नहीं, बल्कि प्रेम की स्वीकृति और संवाद का प्रतीक है। राधा-कृष्ण की परंपरा में रंग एकतरफा नहीं, प्रत्युत्तर में लौटता है, यह समानता और सहभागिता का सांकेतिक रूप है। इस प्रकार फागुन का सांस्कृतिक अर्थ व्यक्तिगत स्मृतियों से लेकर लोक-परंपराओं और दार्शनिक प्रतीकों तक विस्तृत है। स्त्री की स्मृति, उसकी सजगता और उसकी सक्रिय भागीदारी इस पर्व को पूर्णता देती है। ❁

स्त्री-शक्ति के सात रंग

महिलाओं को सशक्त बनने के लिए अपने जीवन में सशक्तिकरण के प्रतीक ये सात रंग भरने जरूरी हैं। ये रंग कौन से हैं, इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

आह्वान

शिखर चंद जैन

महिलाओं को सशक्त बनाना किसी भी समाज-राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे प्रभावशाली कदम है। इसके लिए हर महिला को अपने जीवन में इन सात रंगों को सजाना होगा।

पहचान का रंग

सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी स्वयं को पहचानना है। एक स्त्री को समाज द्वारा तय की गई भूमिकाओं से इतर अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए। पुस्तक, 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' की लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, 'हमारी पहचान हमारे अतीत से नहीं, बल्कि हमारे चयन से बनती है।'

आर्थिक आत्मनिर्भरता का रंग

आज के दौर में 'फाइनेंशियल फ्रीडम' नारी शक्ति का मुख्य स्तंभ माना गया है। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला न केवल अपने परिवार की रीढ़ बनती है, बल्कि देश की जीडीपी में भी योगदान देती है। आर्थिक स्वावलंबन, उद्यमिता और वित्तीय मजबूती ही असली सशक्तिकरण है।

साहस का रंग

इतिहास से लेकर वर्तमान तक, महिलाओं का संघर्ष ही उनके साहस का वास्तविक परिचायक रहा है। चाहे वह झांसी की रानी की ऐतिहासिक वीरता हो या आज की महिला सैनिकों, वैज्ञानिकों और एथलीटों का संघर्ष। साहस, नारी का वह रंग है, जो उसे विपरीत परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देता। मुसीबतों के सामने डटे रहना ही नारी शक्ति का सबसे गहरा रंग है।

शिक्षा का रंग

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, बल्कि सोचने का नजरिया देता है। उच्च शिक्षा और तकनीक का ज्ञान महिलाओं को रूढ़िवादिता की बेड़ियों से मुक्त कर उन्हें वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाता है। यह रंग अज्ञानता के अंधेरे को दूर कर तार्किक सोच विकसित करता है।

नेतृत्व क्षमता का रंग

आज के दौर में महिलाएं केवल आदेशों का पालन नहीं करतीं, बल्कि वे नेतृत्व भी करती हैं। कॉर्पोरेट बोर्डरूम से लेकर पंचायतों और संसद तक, महिलाओं की भागीदारी ने यह सिद्ध किया है कि उनमें निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होती है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करके दिखाया है कि महिलाएं केवल घर ही नहीं, बल्कि दुनिया चलाने की क्षमता रखती हैं।

संवेदनशीलता का रंग

अकसर ही संवेदनशीलता को कमजोरी समझा जाता है, लेकिन नारी शक्ति का एक रंग उसकी संवेदनशीलता और भावनाओं में भी छिपा है। एक सशक्त महिला अपने आसपास के परिवेश को अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण बनाने का सामर्थ्य रखती है।

सामाजिक न्याय का रंग

नारीवाद का आधुनिक रंग केवल अपने हक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज में न्याय की स्थापना का रंग है। यह रंग एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। सशक्तिकरण का यह रंग चुप रहने की परंपरा को तोड़कर बदलाव की आवाज बनने का आह्वान करता है। ❁

होली का त्योहार हर्षोल्लास से भरा होता है। लेकिन रंगों में मौजूद केमिकल्स कई बार आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदेह साबित होते हैं। इनसे बचाव के लिए आपको किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए, बता रहे हैं डिटेल में।

बरतें सावधानी-मनाएं सुरक्षित होली

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रॉबिन लोहिया
जनरल फिजिशियन, दिल्ली

बगैर सावधानी बरते और केमिकल वाले रंगों से होली खेलने की वजह से कई लोगों को स्किन और आंखों से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं।

हो सकती हैं ये स्किन प्रॉब्लम्स: आमतौर पर बाजार में बिकने वाले होली के रंगों में लेड, मरकरी, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट और इंडस्ट्रियल डाइज होते हैं, जो एलर्जी और इंफेक्शन का कारण बन जाते हैं। रंगों में मौजूद केमिकल्स त्वचा की प्राकृतिक नमी सोख लेते हैं, इससे रूखापन, जलन और खुजली जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। इनकी वजह से लाल चकत्ते, सूजन और फफोले जैसी समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं। इससे एक्जिमा, सोरायसिस या एटोपिक डर्मेटाइसिस जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। कुछ रंगों में ऐसे जहरीले तत्व पाए जाते हैं, जिनसे बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी खतरा हो सकता है। इनकी वजह से नाखून टूटने और बाल झड़ने की भी समस्या हो सकती है। बच्चों और बुजुर्गों को रंगों से ज्यादा नुकसान पहुंचता है, क्योंकि उनकी त्वचा संवेदनशील और पतली होती है।

बचाव के उपाय: होली के दौरान त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए हल्दी, चुकंदर, अनार, हरसिंगार और पलाश के फूलों से बना प्राकृतिक रंग ही इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि इन प्राकृतिक तत्वों को उबाल कर घर पर खुद ही रंग तैयार करें। समय की कमी के कारण अगर ऐसा संभव न हो तो बाजार से रेडिमेड कलर खरीदते समय हर्बल और नेचुरल का लेबल जरूर चेक करें। होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल तेल और पेट्रोलियम जैली लगाएं। रंगों के असर से बचाव के लिए बालों में भी तेल लगाएं। ये चीजें त्वचा पर सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं, जिससे रंग त्वचा के भीतर गहराई तक घुस नहीं पाते। चेहरे के अलावा गर्दन और हाथ-पैरों का विशेष ध्यान रखें। होंठों और आंखों के आस-पास जैली लगाना न भूलें। होली खेलने के लिए घर से बाहर निकलते समय शरीर के खुले हिस्सों पर 50 प्रतिशत एसपीएफ पॉवर का सनस्क्रीन जरूर लगाएं, क्योंकि दिन के वक्त रंगों से होली खेलने पर त्वचा में जलन हो सकती है। रंगों से बचाव के लिए हमेशा फुल स्लीव्स की ड्रेस पहनें। नहाने के बाद एलोवेरा जैल या मॉयश्चराइजर लगाएं। खुजली या रैशेज हों तो एंटी एलर्जिक क्रीम लगाएं।

आंखों की ऐसे करें केयर: सूखे रंगों से आंखों के कॉर्निया में खरोंच आ सकती है। रंगों में मौजूद केमिकल्स से आंखों में जलन और खुजली हो सकती है। इसकी वजह से एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस भी हो सकता है। गंभीर मामलों में केमिकल बर्न और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव: अगर कोई आपके चेहरे पर रंग लगा रहा है तो उस वक्त अपनी आंखें बंद कर लें। होली खेलने से पहले सनग्लास पहनना न भूलें। आंखों के चारों तरफ मॉयश्चराइजर या नारियल तेल लगाएं, इससे त्वचा पर रंग नहीं चिपकता है। अगर आंखों में रंग चला जाए तो तुरंत ठंडे पानी धो लें। आंखों को रगड़ें नहीं, इससे रंगों के कण बहुत गहराई से आंखों के भीतर चले जाते हैं। अगर आंखों में जलन हो रही हो तो ल्यूब्रिकेटेड आई ड्रॉप का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होगा। अगर आपकी आंखों में कॉन्टेक्ट लेंस लगा है तो होली खेलने से पहले उसे बाहर निकाल लें। अगर इन प्रयासों के बाद भी जलन कम न हो तो आई स्पेशलिस्ट से सलाह लें। होली खेलते समय बच्चों का विशेष ख्याल रखें। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके परिवार के लिए यह त्योहार सुरक्षित और खुशियों से भरा होगा। ❁

प्रस्तुति: विनीता

बदलाव की राह

चैतन्या

तब बनेंगी सभी महिलाएं सशक्त-खुशहाल

महिलाएं समाज को बहुत कुछ देती हैं। परिवार के लिए अपना जीवन अर्पित कर देती हैं। रिश्तों-नातों को सहेजते हुए खुद अपने आप की अनदेखी तक कर देती हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी अपनों की जरूरतों के आगे मन की हर इच्छा को दोयम दर्जे पर रख देती हैं। बहुत सी स्त्रियां करियर छोड़ केवल घर-आंगन तक सिमट जाती हैं। हर भूमिका में स्त्रियां अपनों को भावनात्मक सहारा देती हैं। स्त्रियां आमतौर पर देने वाले पाले में ही रहती हैं। जरूरी है कि समाज, परिवार, रिश्तेदार, मित्र और सहकर्मी उनके लिए भी कुछ करने की सोचें। औपचारिकता भर नहीं बल्कि मन से महिलाओं के जीवन से जुड़े हर पहलू को बेहतर बनाने में हेल्पफुल बनें। याद रहे कि स्त्रियों की इस बेहतरी से समग्र समाज की बेहतरी भी जुड़ी है। इस साल इंटरनेशनल वुमेंस-डे (8 मार्च) की थीम 'गिव टू गेन' है। यह विषय महिलाओं की सहजता के लिए देने या कुछ करने के व्यापक असर पर बल देता है।

समर्थन और सराहना: घर हो या बाहर, स्त्रियां अकसर अकेली पड़ जाती हैं। मुश्किल घड़ी में भी पूर्वाग्रही सोच से ही उनके व्यक्तित्व को आंका जाता है। उनके फैसलों को तयशुदा समझ से जज किया जाता है। ऐसे में स्त्रियों को कुछ देने या उनके लिए कुछ करने की सोच समर्थन या सराहना के बिना अधूरी है। ऐसे में महिला दिवस की थीम 'गिव टू गेन' सभी को अपने विचार-व्यवहार का रिव्यू करने का आह्वान करती है। वर्कप्लेस से लेकर घर के आंगन तक, स्त्रियों के प्रति उदार बनने का संदेश देती हैं। उनकी भूमिका और भागदौड़ की सराहना करने की सोच जगाने वाली है।

संसाधन और सुरक्षा: महिलाओं के लिए हालात कई मोर्चों पर उलझाऊ हैं। कहीं काम करने के अवसर हैं तो सुरक्षित माहौल नहीं। जहां सेफ्टी है वहां सही अवसर नहीं हैं। नई शुरुआत के लिए जगह हो या धन, अपनी मर्जी से उपयोग कर लेने के हालात आज भी आम नहीं हैं। यही वजह है कि 'गिव टू गेन' का भाव संसाधन और सुरक्षा के मामले में आवश्यक है। इसीलिए महिलाओं को सुरक्षा और संसाधन दीजिए, ताकि वे अपनी काबिलीयत को सिद्ध कर सकें। थोड़े से सहयोग और अपनी योग्यता के बूते नवाचार करने वाली महिलाएं समाज-परिवार ही नहीं राष्ट्र को भी सशक्त बनाती हैं।

शिक्षा और समानता: बेटियों को बेटों के समान ही पढ़ने-लिखने का हक और माहौल देना तरक्की की साझी सोच की बुनियाद है। इस वर्ष की थीम असल में 'मेरा' से 'हमारा' के विचार को अपनाने पर बल देने वाली है। यह विषय कहता है कि इक्वेलिटी का वह परिवेश बने जिसमें समय, सहानुभूति और खुद को साबित करने का मौका सभी के हिस्से आए। हमारे यहां महिलाओं के साथ आज भी कार्यस्थल पर समान व्यवहार नहीं किया जाता। घरेलू जिम्मेदारियों को अकेले ही उठाने के चलते कामकाज के सही मौके उनकी झोली में नहीं आते। ऐसे में सभी के लिए बहुत जरूरी है कि बहू-बेटियों को बराबरी के अवसर देते हुए खुलकर जीने का स्पेस दें। ❁

नया दौर

अलका 'सोनी'

बीते कुछ दशकों में स्त्रियों के जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। संघर्ष से शुरू हुई उनकी यह यात्रा अब सृजन के नित नए आयाम गढ़ रही है।

बदलता स्त्री-जीवन संघर्ष से सृजन की यात्रा

समकालीन समय में स्त्रियों का जीवन बहुआयामी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसे हर जगह देखा और महसूस किया जा सकता है। यह सुखद परिवर्तन केवल स्त्री की बदलती बाहरी भूमिकाओं में ही नहीं, बल्कि मानसिकता, आत्मविश्वास और आत्मस्वीकृति का भी है। आज की स्त्री घर की चारदीवारी से निकलकर कार्यस्थलों, राजनीति, विज्ञान, साहित्य और कला जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। परंतु परिवर्तन की उनकी इस यात्रा में संघर्ष, संतुलन और आत्मसंवाद की लंबी प्रक्रिया शामिल होती है। जिसे पार करते हुए वे आज अपनी सफलता की कहानी खुद ही बयां कर रही हैं।

सपनों की नई परिभाषा: पहले स्त्री के सपनों को परिवार की अपेक्षाओं के अनुरूप आकार दिया जाता था। वे जिम्मेदारियों से लदी नजर आतीं थीं। उनके लिए, अपने बारे में सोचना जैसे निषिद्ध था। लेकिन आज वे अपने सपनों को स्वयं परिभाषित कर रही हैं। शिक्षा ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करना चाहती हैं, चाहे वह करियर का चयन हो, विवाह का निर्णय हो या मातृत्व का समय।

जिम्मेदारियों का दोहरा दायित्व: हालांकि परिवर्तन के इस दौर में स्त्री पर जिम्मेदारियों का भार बढ़ा ही है। घर और बाहर के बीच 'वर्क-पर्सनल लाइफ बैलेंस' उनके लिए रोज का अभ्यास है। यह दोहरा दायित्व कई बार मानसिक दबाव उत्पन्न करता है, किंतु यही दबाव उसे अधिक संगठित, संवेदनशील और दृढ़ भी बनाता है।

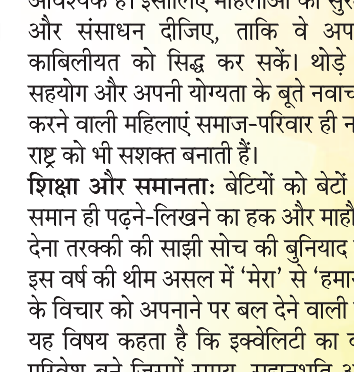

डिजिटली भी हैं एक्टिव: हमेशा से चुप और सिमटी रहने वाली स्त्रियों को सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति का नया माध्यम दिया है। अब उनकी आवाज सीमित दायरे तक नहीं रहती। उनकी गूंज हर तरफ सुनाई देती है। वे अपने अनुभव, विचार और रचनात्मकता को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचा सकती हैं। इससे एक सामूहिक चेतना का निर्माण हो रहा है, जहां स्त्रियां एक-दूसरे के संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा लेती हैं। उनके सामने जानकारियों का एक नया संसार खुल रहा है। हालांकि अब भी यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि सब कुछ बदल गया है। लैंगिक असमानता, कार्यस्थल पर भेदभाव, घरेलू हिंसा और रूढ़िगत सोच अब भी मौजूद हैं। लेकिन आशा की किरण यह है कि अब स्त्री इन चुनौतियों को नियति मानकर स्वीकार नहीं करती। वह समाधान खोजती है और आवाज भी बुलंद करती है। ❁

महिलाओं ने पूजन कर की परिक्रमा

जिलाभर में हर्षोल्लास से होली उत्सव शुरू, बाजार में उमड़ी खरीदारों की भीड़

1,200 से ज्यादा जगहों पर हुआ होलिका पूजन, कल उड़ेगा गुलाल

दुल्हेंडी पर रंगों की होगी बारिश, उत्साह से मचेंगे धमाल, महिलाएं बरसाएंगी कोरड़े

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

जिलाभर में सोमवार को होलिका पूजन के साथ होली उत्सव की शुरुआत की गई। लोगों ने विधिविधान से पूजा अर्चना कर रात 8:30 बजे के बाद भ्रदा के पूंछ काल में होलिका का दहन किया। इससे पूर्व महिलाओं ने जिले में करीब 1200 से ज्यादा जगहों पर होलिका पूजन कर सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। मंगलवार को चंद्रग्रहण के चलते बुधवार को दुल्हेडी पर हर वर्ग के लोग रंग-गुलाल उड़ाते हुए जमकर धमाल मचाएंगे। महिलाएं अपने देवरों पर कोरड़े बरसाएंगी। पंडित अमित शौनक ने बताया कि भ्रदा के मुख व पूछ काल में होलिका दहन को लेकर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता। अगर भद्रा का साया मध्य काल में हो, तो ऐसे में होलिका दहन नहीं किया जाता। वहीं होली पर्व को लेकर सोमवार सुबह से ही घरों में विशेष तैयारियां शुरू हो गई थी।

सोनीपत। धोबीवाड़ा में रात को होलिका दहन करते श्रद्धालु।

सोनीपत। गोहाना रोड पर होलिका दहन करते श्रद्धालु।

बच्चे भी टॉफी-बिस्कुट से बनी मालाएं पहने पहुंचे

महिलाएं गीत गाती हुई विभिन्न स्थानों पर बनाई गई होलिका का पूजन करने पहुंची। बच्चे गले में टॉफी, बिस्कुट, बेर व ड्राईफ्रूट से बनी मालाएं पहने हुए थे। शहर में मॉडल टाउन, वेस्ट रामनगर, सेक्टर-23, गढ़ी घसीटा, गुड़ मंडी, नरेंद्र नगर, राजेंद्र नगर, बड़ा बाजार, हलवाई हट्टा, जटवाड़ा, महावीर कॉलोनी, नई अनाज मंडी सहित कई जगह विधिवत होलिका पूजन किया गया। बाजार में रंग-गुलाल खरीदने के लिए खरीदारों की भीड़ लगी रही। बच्चों ने अपनी मनपसंद पिचकारी व गुलाल खरीदा।

लोगों ने मान्यता के अनुरूप की पूजा-अर्चना

जिले के गोहाना, खरखौदा, राई व गन्नौर क्षेत्र में भी क्षेत्र वासियों ने उत्साह से होली पूजन किया। क्षेत्र वासियों ने होली पर्व पर होली में उपलों की मालाएं डाली। रात के समय होलिका का दहन किया गया। ग्रामीण अंचल में भी लोगों ने अपनी मान्यता के अनुरूप मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस पर्व पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। इस पर्व पर श्रद्धालु दूर-दराज से अपने पैतृक स्थान पर पहुंचे और वहां अपनी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पूजा-अर्चना की।

एक दूसरे को गुलाल लगाकर मनाई होली

सोनीपत। टीका राम कन्या महाविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत कमेटी की संयोजक द्वारा डॉ. निशा दहिया व सह-संयोजक मीनाक्षी द्वारा होली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने एक दूसरे को गुलाल व रंग लगाकर होली पर्व की बधाई दी। महाविद्यालय की प्राचार्या गीता ने स्टाफ सदस्यों व छात्राओं को होली पर्व की महता बताते हुए शुभकामनाएं दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि होली का त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है। त्योहारो से ही मानव प्रेम का विकास होता हैं। उन्होने स्टॉफ सदस्यों को आपस में गुलाल लगाकर बधाई दी। इस मौके पर सभी प्राध्यापिकाएं व छात्राएं उपस्थित रही।

सोनीपत। टीका राम कन्या महाविद्यालय में होली मनाती छात्राएं।

बाइक सवार 119 ग्राम चरस सहित काबू

रोहतक। पुलिस की एएनसी स्टाफ टीम ने गश्त के दौरान बुलेट मोटरसाइकिल सवार एक युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से 119 ग्राम चरस बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया गया है। मामले की गहनता से जांच जारी है। एएनसी स्टाफ के प्रभारी पीएसआई मनोज कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक संदीप के नेतृत्व में टीम गांव हसनगढ़ के पास गश्त पर मौजूद थी। सूचना के आधार पर मन्नत टी स्टाल के सामने नाकाबंदी की गई।

संकीर्तन में श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

- तृतीय श्री श्याम भव्य संकीर्तन महोत्सव का भक्ति भाव से समापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गन्नौर

श्री सांवरियां परिवार सेवा समिति द्वारा आयोजित तृतीय श्री श्याम भव्य संकीर्तन महोत्सव रविवार देर शाम श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर बाबा श्याम के भजनों का रसपान किया और देर रात तक वातावरण भक्तिमय बना रहा। संकीर्तन की शुरुआत चुलाकान धाम के रिंकल पुजारी द्वारा मंत्रोच्चारण से हुई। महोत्सव में नगरपालिका अरुण

गन्नौर। अतिथि अंकित मल्होत्रा व हरीश वाधवा को सम्मानित करते समिति के पदाधिकारी।

त्यागी ने ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व पार्षद अंकित मल्हौत्रा व समाजसेवी हरीश वधवा ने भी शिरकत की। मंच पर आमंत्रित भजन गायक पवन कपूर, सोनी सिस्टर्स, मुकेश कुमार ने एक से बढ़कर एक श्याम भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश चौहान, राकेश जैन, अमित कौशिक, राजेश जैन, पवन जैन सहित समिति के सभी सदस्यों व सेवादारों का विशेष सहयोग रहा।

ब्लॉक ट्रेडिंग के नाम पर 56.18 लाख की साइबर ठगी करने वाले छह आरोपित दबोचे

सोनीपत। गिरफ्तार आरोपितों के साथ पुलिस कर्मी।

- अहमदाबाद, अलवर और जयपुर से गिरफ्तारी 4 .68 लाख रुपये फ्रीज व मोबाइल बरामद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

पुलिस आयुक्त ममता सिंह के नेतृत्व में थाना साइबर सोनीपत की टीम ने ब्लॉक ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर 56,18,000 रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने अहमदाबाद, अलवर और जयपुर से छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपितों में संजीव निवासी अहमदाबाद, राहुल उर्फ मोन्द्र निवासी अलवर तथा ऋषभ, सचिन, तरुण और विशाल निवासी जयपुर शामिल हैं।

न्यायिक हिरासत में भेजा

शिकायतकर्ता गुलशन निवासी सेक्टर-8 सोनीपत ने बताया कि उसे व्हाट्सएप ग्रुप "एसबीआई सिक्योरिटीज" के माध्यम से ऑनलाइन ब्लॉक ट्रेडिंग में निवेश का लालच दिया गया। शुरू में मुनाफा दिखाकर विश्वास जीता गया, बाद में आईपीओ में ओवर सब्सक्राइब का बहाना बनाकर बड़ी रकम जमा करवाई गई। रुपये निकालने के समय कम क्रेडिट स्कोर का बहाना बनाकर खाता ब्लॉक कर दिया गया और अतिरिक्त राशि मांगी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4,68,608 रुपये बैंक खातों में फ्रीज करवाए, 11,620 रुपये बरामद किए और दो मोबाइल फोन कब्जे में लिए। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राई। चेयरमैन नानक चंद गुप्ता एवं संस्थान की प्रेरणा स्रोत रेणु गुप्ता दिव्यांग छात्रों के साथ ।

रेणु विद्या मंदिर में हर्षोल्लास से मनाई होली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राई

- सभी ने एक दूसरे को गूलाल लगाकर दी शुभकामनाएं

रेणु विद्या मंदिर में होली पर्व पर संस्थान के चेयरमैन नानक चंद गुप्ता ने दिव्यांग विद्यार्थियों, शिक्षकगण, शिक्षक प्रशिक्षुओं तथा समावेशी शिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के साथ मिलकर रंगों के इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाया। शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। चेयरमैन नानक चंद गुप्ता एवं संस्थान की प्रेरणा स्रोत रेणु गुप्ता ने सभी को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, एकता और समरसता का प्रतीक है। उन्होंने जीवन में सकारात्मकता और सहयोग की भावना बनाए रखने का संदेश भी दिया।

चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नई योजनाओं को शामिल किया : नेहरा

» बजट चहुमुखी विकास की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता

» प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी मजबूत पहल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गन्नौर

भाजपा नेता आजाद सिंह नेहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट प्रदेश के चहुमुखी विकास की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है। इस बजट में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि तथा औद्योगिक विकास को प्राथमिकता देते हुए संतुलित प्रगति की दिशा तय की गई है। सरकार ने न केवल पारंपरिक क्षेत्रों को सशक्त बनाने का प्रयास किया है, बल्कि आधुनिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नई योजनाओं को भी शामिल किया है। यह बजट केवल विकास की योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी मजबूत पहल है। मुख्यमंत्री का यह दूरदर्शी बजट देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करता है और प्रदेश को प्रगति के नए आयामों की ओर अग्रसर करने वाला साबित होगा।

होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारे का भी प्रतीक : बड़ौली

टेंहा गांव के सरपंच ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को दी होली की बधाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गन्नौर

रंगों के पर्व होली पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा व टेंहा गांव के सरपंच आशीष त्यागी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली को होली की बधाई दी । मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि होली पर्व केवल रंगों का नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। होली हमें सभी भेदभाव भूलकर मिलजुलकर रहने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर सभी से समाज में सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया गया।

गन्नौर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली का स्वागत कर होली की बधाई देते हुए ।

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा व सरपंच आशीष त्यागी ने कहा कि हमें त्योहारों की इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नई पीढ़ी को भी सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना चाहिए ।

कार्यक्रम में अंकित मल्होत्रा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे

धूमधाम से मनाया गायत्री विद्यापीठ का वार्षिक उत्सव

स्कूल के छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम किए प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गन्नौर

गायत्री विद्यापीठ गन्नौर का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ एक गार्डन में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंकित मल्होत्रा व विशिष्ट अतिथि रणवीर सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम अध्यक्ष दीवान चंद्र रहे। इसके अलावा एडवोकेट रजनी जैन, राजेंद्र गुप्ता, संदीप सिंघल, गायत्री परिवार से ओमप्रकाश कौशिक , विजयपाल , पूर्व चेयरमैन रामकुमार धनखड, करनाल से रजनी गुप्ता , गोहाना से रतन कुमार ने बतौर अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंच का संचालन प्रिया वशिष्ठ तथा रुचिका कौशिक ने किया। बच्चों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियां द्वारा सभी अतिथिगण तथा अभिभावक गण

गन्नौर। संस्कृति कार्यक्रम के प्रतिभागी छात्रों के साथ मुख्य अतिथि व शिक्षक।

का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि अंकित मल्हौत्रा ने कहा कि गन्नौर में विद्यालय तो बहुत है परंतु संस्कार देने व बच्चों का हुनर निखारने में गायत्री विद्यापीठ अव्वल है। रणबीर छिक्कारा ने भी कार्यक्रम की सराहना की। विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेंद्र कौशिक व प्रिंसिपल शकुंतला का आभार जताया । इस मौके पर शिक्षक सुमन, मोनिका , मोनिका मलिक, पायल वर्मा, रीतू , कुसुम, छवि गौर, पारस गौर ने व्यवस्था में सहयोग किया।

बजट गोहाना को मिली सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

क्षेत्र में विकास की संभावनाएं और बढ़ेंगी

गोहाना के विकास में मास्टर प्लान 2041 की होगी अहम भूमिका : अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि वित्त मंत्री के नाते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पेश किया गया प्रदेश का आम बजट आम जनमानस के सामाजिक, आर्थिक उत्थान को रफ्तार देने वाला साबित होगा। गोहाना में विकास की अपार संभावनाओं के बीच मास्टर प्लान 2041 इलाके के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। इससे क्षेत्र में विकास की संभावनाएं बढेंगी और क्षेत्र का सुनियोजित विकास सुनिश्चित होगा। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना में लगातार ढांचागत विकास के कारण बढी संभावनाओं के चलते इलाके में

व्यवस्थित विकास हो, इसके लिए मास्टर प्लान 2041 अहम भूमिका निभाएगा। मास्टर प्लान 2041 के अनुसार गोहाना में एक विकसित इलाके के लिए हर जरूरी मूलभूत ढांचे की परिकल्पना की जा रही है। गोहानावासियों की पुरानी मांग गोहाना-महम रोड पर रेल उपरगामी पुल और गोहाना-बरोदा रोड पर रेलवे अंडर पास निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई है। इससे दोनो मुख्य मार्गों पर प्रतिदिन हजारों वाहन चालकों को बडी राहत मिलेगी। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गोहाना में साइबर थाने की स्थापना होने से डिजिटल अपराधों पर न केवल शिकंजा कसेगा, अपितु आमजन को त्वरित न्याय भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि बजट में उपमंडल नागरिक अस्पताल में डायलिसिस केंद्र की स्थापना और कैथ लैब स्थापना से मरीजों को बडी राहत मिलेगी। बजट आमजन, किसान, महिला, युवा, श्रमिकों के साथ-साथ हर आयु, हर समुदाय को बेहतर अवसर और मजबूती देने वाला है।

गन्नौर को बजट में मिली नए बस स्टैंड की सौगात

गन्नौर। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट में गन्नौर विधानसभा को एक बड़ी सौगात मिली है। स्थानीय विधायक देवेंद्र कादियान की पुरजोर मांग पर मुहर लगाते हुए सरकार ने गन्नौर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नए बस स्टैंड के निर्माण की मंजूरी दे दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री और परिवहन विभाग के साथ निरंतर पैरवी करते हुए तर्क दिया था कि अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंड़ी के शुरू होने के बाद गन्नौर में यातायात का दबाव अत्यधिक बढ़ जाएगा। ऐसे में एक आधुनिक बस स्टैंड न केवल यात्रियों की सुविधा के लिए, बल्कि गन्नौर के आर्थिक विकास के लिए भी जरूरी है। उन्होंने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और भरोसा दिलाया कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

देवेंद्र कादियान।

खबर संक्षेप

शाइनिंग स्टार अवॉर्ड से सम्मानित हुए मेधावी

खरखौदा। साईं इंस्टीट्यूट में शाइनिंग स्टार अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, सरकारी नौकरियों में चयनित पूर्व छात्रों और नामी प्राइवेट अस्पतालों में ऊंचे सैलरी पैकेज पर कार्यरत युवाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्सिंग छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ। छात्राओं की प्रतिभा और सुंदर प्रस्तुतियों ने मौजूद अभिभावकों और मुख्य अतिथियों का मन मोह लिया। इस दौरान संस्थान की उन छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया जिनका व्यवहार और अनुशासन पूरे सत्र में सराहनीय रहा। संस्थान के संचालक सुधीर स्वामी ने भी संबोधित किया।

बजट में घोषणा : जिले में शिक्षा विभाग द्वारा 420 बाल वाटिका-3 का किया जा रहा संचालन

4737 विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ मिलेगी निःशुल्क स्टेशनरी, वर्दी व बैग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- स्कूलों में एक लाख रुपये की राशि से बनेंगे खेल मैदान
- उच्च शिक्षा के लिए आड़े नहीं आएगा पैसा, विशेष वित्तीय सहायता से मिलेगा राजकीय महाविद्यालयों में दाखिला

सरकार ने बजट के माध्यम से शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से 20 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि खर्च करने का निर्णय लिया है। वर्ष 2025-26 के बजट की अपेक्षा सरकार ने मौलिक शिक्षा विभाग की आवंटित राशि 9.79 प्रतिशत, जबकि सेकेंडरी शिक्षा विभाग की बजट राशि में 11.98 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इससे शिक्षा स्तर में सुधार करने के साथ विद्यार्थियों के लिए विद्यालयों में खेलों संबंधी सुधार भी किए जाएंगे। ऐसे में विद्यार्थी अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को विशेष वित्तीय सहायता देकर राजकीय महाविद्यालयों में दाखिला करवाएगा। इससे बच्चों को अपनी पढ़ाई पैसों के अभाव में नहीं छोड़नी पड़ेगी। सोनीपत सहित प्रदेश के सात जिलों में दोहरी पारी के अंतर्गत चल रहे राजकीय विद्यालयों का अब एक शिफ्ट में संचालन करने का निर्णय लिया गया है। सोनीपत में फिलहाल करीब 8 राजकीय विद्यालयों का दोहरी पारी में संचालन किया जा रहा है। साथ ही 250 विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब का निर्माण होने से बच्चे शुरू से विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ जैसे विषयों पर शुरू से रूचि ले सकेंगे। फिलहाल जिले के 2 राजकीय विद्यालयों व 12 निजी विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब का निर्माण किया गया है। आगामी शैक्षणिक सत्र में जिला में संचालित 420 बाल वाटिका-3 के विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा के साथ पाठ्य संबंधी स्टेशनरी, वर्दी व स्कूल बैग भी मुहैया करवाया जाएगा। बता दें कि इस शैक्षणिक सत्र में जिला में संचालित 420 बाल वाटिका-3 में कुल 4737 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें सोनीपत क्षेत्र में 1128, गोहाना में 574, गन्नौर में 888, खरखौदा में 506, कथूरा में 253, मुंडलाना में 457 व राई क्षेत्र में 931 विद्यार्थी बाल वाटिका-3 में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा राजकीय विद्यालयों को सीएम ईईई विद्यालय के रूप में विकसित करने से विद्यार्थी हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे। बजट में 250 विद्यालयों को सीएम ईईई विद्यालयों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है।

पढ़ाई के साथ खेल का मैदान फतह करेंगे विद्यार्थी

पढ़ाई के साथ खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने 3328 राजकीय उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में खेल मैदान तैयार करवाने की घोषणा की है। प्रत्येक विद्यालय में खेल मैदान तैयार करवाने पर 1 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। शैक्षिणक सत्र 2025-26 पूरा होने से पहले जिले के 4 पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 20 लाख रुपये से आउटडोर व इनडोर खेल सुविधाओं, खेल मैदानों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें गांव बेगा, छतेहरा, गढ़ी उजाले खां स्थित पीएमश्री राजकीय विद्यालय और गांव फरमाना स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय में खेल सुविधाओं के लिए 5-5 लाख रुपये का बजट जारी किया है। इसके अलावा बारोटा स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में खेल उत्कृष्टता केंद्र बनाया जा रहा है।

सत्संग के लिए निकली महिला को बहकाकर गहने ले भागे युवक

सोनीपत। मुरथल अड्डा चौक के पास राज मोहल्ला निवासी महिला को तीन युवकों ने बहकाकर उनके सोने के आभूषण उतरवा लिए और भाग निकले। पीड़िता को जब पता लगा तो मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। राज मोहल्ला निवासी राम राघव ने सिविल लाइन थाना में मुकदमा दर्ज कराया है कि उनकी पत्नी राम कुमारी 1 मार्च की सुबह सत्संग में जाने के लिए घर से निकली थीं। जब वह मुरथल अड्डा चौक के निकट पहुंचीं तो तीन युवकों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। पहले उन्होंने सामान्य बातचीत की और घर-परिवार की बातें पूछते हुए महिला को उलझाए रखा। बताया गया है कि इसी दौरान एक युवक ने कहा कि उनके घर में लगातार नुकसान हो रहा है और वह उसे दूर कर सकता है। उसने महिला के हाथ में पर्ची में लिपटी वस्तु थमाई और उस पर फूंक मारने को कहा। इसके बाद युवकों ने उन्हें एक ओर ले जाकर विश्वास दिलाया कि इससे घर में शांति आएगी। महिला के अनुसार कुछ देर बाद वह बेसुध होने की हालत में पहुंच गई। इस दौरान युवकों ने उनकी सोने की बालियां और सोने का मंगलसूत्र उतरवा लिया गया। कुछ देर बाद जब उन्हें होश आया तो तीनों युवक गायब थे। घटना के बाद उन्होंने आसपास मौजूद लोगों से सहायता मांगी, लेकिन मदद नहीं मिली। घर पहुंचकर उन्होंने परिजनों को जानकारी दी। राम राघव ने बताया कि वह रिक्शा चालक हैं और मेहनत से रुपये कमाकर गहने बनवाए थे और इस घटना से परिवार गहरे आघात में है। पीड़ित परिवार ने सिविल लाइन थाना की ओल्ड चौकी पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली है। फुटेज में तीन संदिग्ध युवक महिला को किनारे ले जाते हुए दिखाई दिए है।

मार्केट न्यूज

सोनीपत में DECODE 2026 चौथी वर्षीय सम्मेलन का आयोजन

सोनीपत। DECODE 2026 चौथी वार्षिक सम्मेलन का आयोजन सोनीपत के Hotel S K Park Blu में किया गया जिसमें भारत के तमाम दिग्गज डॉक्टर डायबिटीज और एंडॉक्रिनलॉजिस्ट स्पेशलिस्ट ने हिस्सा लिया इस भव्य कार्यक्रम की शुरुआत डॉ एच के अग्रवाल, डॉक्टर सतीश खट्टर, डॉ राजेश राजपूत, डॉ अनुराग अरोड़ा, डॉ मीना राजपूत, डॉ अनुपम सेठी अरोड़ा ने किया। इस कार्यक्रम में डॉक्टर साकेत कांत, डॉक्टर सोहेल ए दुर्रानी, डॉ मुदित सभरवाल, डॉ धीरज कपूर, डॉ संदीप मित्तल, डॉक्टर रजनीश मित्तल, डॉक्टर हिमांशु शर्मा, डॉ संजय मित्तल, डॉक्टर संदीप गर्ग, डॉ राजेश राजपूत, डॉ अमित, डॉ अनुराग अरोड़ा, डा राजा कामिल डॉ योनजू बै, डॉ अरुण प्रसाद, डॉ दीपक जुमानी, डॉ पवन शर्मा, डॉ अविनाश गोस्वामी, डॉ रविकांत, डॉ निशा दहिया, डॉ शोहरत जैन, डॉ प्रोफेसर संजय त्यागी, डॉक्टर नित्यानंद त्रिपाठी, डॉ संजय शर्मा, डॉ राजेश गर्ग, डॉ सुधीर अत्री और डॉ प्रशांत त्यागी ने अपने लेक्चरर्स दिए। इस कार्यक्रम में चंद्रभान बंसल, डॉक्टर संजय मित्तल, डॉक्टर संजय गुलाटी, डॉ सतीश गुलाटी, डॉ दीपक जैन, डॉ गजराज कौशिक, डॉ अश्विनी भटनागर, डॉ आशीष अनेजा, डॉक्टर एमडी छाबड़ा, डॉक्टर अंकुर गर्ग, डॉ करण पूनिया, डॉक्टर सोनिला सोनी, डॉ अजय महाजन, डॉ सतीश चुघ, चुघ पीएस गहलोत, डॉ अशोक कुमार गुप्ता, डॉ नरेश खन्ना, डॉ राकेश फोगाट और अन्य डॉक्टर का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम में डायबिटीज फुट वर्कशॉप का भी आयोजन किया गया जिसको डॉ ए प अस सूरी, डॉक्टर गुरलीन सूरी, डॉ संदीप सूरी, डा सोनिका लम्बा प्रस्तुत किया. वहीं पीजी स्टूडेंट ने पेपर व पोस्टर प्रस्तुत किया बड़े-बड़े मेडिसिंस के डॉक्टर ने अपने-अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया एंडॉक्रिनलॉजी के बारे में विशेष अपडेट्स रहे तमाम बीमारियों की दवाइयां के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही कार्यक्रम को समापन किया गया डॉक्टर राजेश राजपूत व डॉक्टर नवरोज ने बताया कि भविष्य में इस तरह की सम्मलेन आयोजन करते रहेंगे और लेटेस्ट जानकारी को साझा करते रहेंगे इस पूरे कार्यक्रम में ट्यूलिप अस्पताल के सहकर्मियों का विशेष योगदान रहा।

बुजुर्गों के अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर : दिवान

सोनीपत। बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमल दिवान।

सोनीपत। सेक्टर-14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में वरिष्ठ नागरिक परिषद, सोनीपत की ओर से मासिक जन्मदिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद के उन सदस्यों का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिनका जन्मदिन इस माह में था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने शिरकत की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव को समाज की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों द्वारा दिए गए संस्कारों से ही समाज आगे बढ़ रहा है। हमें बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और उनकी सेवा को अपना कर्तव्य समझना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान जन्मदिन वाले सदस्यों ने केक काटा। परिषद की ओर से उन्हें स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेघा दिवान, महासचिव राजेश सेवली, लीलू काकरोई, अंकित मेहता, सचिव पायल मलिक, शिवानी व सरल मलिक सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। परिषद के सदस्यों ने गीतों और भजनों के माध्यम से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना दिया। महासचिव राजेश सेवली ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपनी खुशियां साझा कर सकें।

होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक

■ भाजपा नेता अरुण बंसल ने होली मिलन समारोहों में हिस्सा लिया

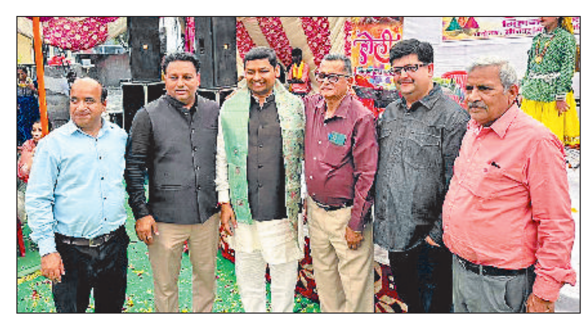

सोनीपत। भाजपा नेता अरुण बंसल ने सोमवार को विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का पर्व हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। होलिका दहन के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है होलिका दहन। इस अवसर पर संगठन की मजबूती एवं प्रदेश के विकास के लिए सामूहिक संकल्प दोहराया गया।तत्पश्चात प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के कार्यालय में हरियाणा सरकार का बजट लाइव देखा। बजट में प्रदेश के सर्वांगीण विकास, किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं व्यापारियों के हित में लिए गए निर्णयों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह बजट हरियाणा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला है। सेक्टर-4 कम्युनिटी सेंटर में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में सम्मिलित होकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में अरुण बंसल ने कहा कि वरिष्ठजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। सांयकाल आशीर्वाद पॉकेट, सेक्टर-4 में आयोजित होलिका दहन कार्यक्रम में धर्मपत्नी डॉ. शिवानी बंसल सम्मिलित हुई।